सामाजिक परिवर्तन का अर्थ (Meaning of Social Change)

---

1. प्रस्तावना (Introduction):

सामाजिक परिवर्तन समाजशास्त्र का एक मौलिक एवं महत्वपूर्ण विषय है।
यह वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत समाज की संरचना, कार्यप्रणाली, संस्थाएँ, मान्यताएँ, मूल्य और व्यवहार में समय के साथ परिवर्तन होता है।

---

2. परिभाषाएँ (Definitions):

(i) जीिलन ए. गिलिन (Gillin and Gillin):

"सामाजिक परिवर्तन से आशय उन परिवर्तनशील संशोधनों से है, जो सामाजिक प्रक्रियाओं, सामाजिक संबंधों और सामाजिक संगठनों में समय के साथ उत्पन्न होते हैं।"

(ii) मैकआइवर और पेज (MacIver and Page):

"जब सामाजिक संगठन के ढाँचे या कार्य में कोई स्थायी परिवर्तन होता है, तो उसे सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।"

---

3. सामाजिक परिवर्तन का तात्पर्य (Meaning in Simple Terms):

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ है –
समाज के ढाँचे (Structure),
क्रियाओं (Functions),
और संस्थाओं (Institutions)
में आने वाला स्थायी परिवर्तन।

उदाहरण:

- संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर बढ़ना
- जाति व्यवस्था में ढीलापन आना
- स्त्रियों की सामाजिक स्थिति में सुधार

- डिजिटल युग में संचार माध्यमों में बदलाव

---

4. सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति (Nature of Social Change):

1. **यह निरंतर प्रक्रिया है** – समाज हमेशा बदलता रहता है।
2. **यह सार्वत्रिक है** – हर समाज और सभ्यता में परिवर्तन होता है।
3. **यह बहुआयामी होता है** – आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि सभी क्षेत्रों में परिवर्तन होता है।
4. **यह नियोजित (Planned) या अनियोजित (Unplanned) हो सकता है।**

---

5. सामाजिक परिवर्तन के उदाहरण:

परिवर्तन का क्षेत्र	**उदाहरण**
आर्थिक	कृषि से उद्योग की ओर संक्रमण
राजनीतिक	लोकतंत्र की स्थापना
सामाजिक	जातिगत भेदभाव में कमी
तकनीकी	मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग

---

6. निष्कर्ष (Conclusion):

सामाजिक परिवर्तन वह प्रक्रिया है जो समाज को गतिशील बनाती है।
यह परिवर्तन समाज की आवश्यकताओं, परिस्थितियों, तकनीकों, विचारों और आंदोलनों के कारण होता है।
समाज का विकास और प्रगति सामाजिक परिवर्तन पर ही निर्भर करता है।